Syllabus For

B.A. in HINDI

Degree Programme:

3years Degree with Hindi/4 years Degree with Hindi Honours/4years Degree with Hindi Honours with Research

Under

Choice Based Credit System (CBCS)

and

Learning Outcome Based Curriculum Framework

KAZI NAZRUL UNIVERSITY

ASANSOL

WEST BENGAL- 713340

Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMJ101

Course Type: **MAJOR (Theoretical)**	Course Details: **MJC-1**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

कालविभाजन और नामकरण

इकाई : दो

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक काव्य

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा (संत काव्य, सूफी काव्य), सगुण काव्यधारा (रमभक्ति काव्य,कृष्णभक्ति काव्य)

इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छ:

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
5. इतिहास और आलोचक दृष्टि - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
7. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथन प्रकाशन, कानपुर
8. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपरबुक्स, नोएडा
9. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास - विजेंद्र स्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
13. हिंदी साहित्य का इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी, एन० सी० इ० आर० टी०. नयी दिल्ली
14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास - रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
17. साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
18. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपतिचंद्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
19. हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास - सं० डॉ० नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMN101

Course Type: **MINOR (Theoretical)**	Course Details: **MNC-1**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौवर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

काल विभाजन और नामकरण

इकाई : दो

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक काव्य

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा (संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुण काव्यधारा (रामभक्ति काव्य,कृष्णभक्ति काव्य)

इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छ:

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
5. इतिहास और आलोचक दृष्टि - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
7. साहित्येतिहास :संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथन प्रकाशन, कानपुर
8. हिंदी साहित्य का इतिहास- सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपरबुक्स,नोएडा
9. रीति काव्य की भूमिका – डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्रस्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. हिंदी साहित्य का इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी, एन० सी० इ० आर० टी०. नयी दिल्ली
14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास- रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
17. साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
18. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपति चंद्रगुप्त,भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
19. हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास- सं०डॉ०नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

Kaju Kumari Shaw

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

Semester –I
Course Name : Patrakarita

COURSE CODE : MDC112

Course Type: **MD**	Course Details: MDC-1			L-T-P: 2 **-1 - 0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
2. इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के विविध पक्षों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थी सृजन कार्य कर सकेंगे औरप त्रकारिता क्षेत्र की बारीकियों को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1- हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

इकाई-2- प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ

इकाई-3- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ

इकाई-4- साहित्यिक पत्रकारिता एवं पीत पत्रकारिता

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

2. समाचार, फीचर लेखन और सम्पादन कला – हरिमोहन

3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा

4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत

5. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी

6. लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता – धर्मेंद्र गुप्त

7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधार-जगदीश्वर चतुर्वेदी

8. पत्रकारिता संदर्भकोश-- सूर्यकान्त दीक्षित

9. पत्रकारिता के विविध आयाम--रामचंद्र तिवारी

10. हिंदी के यशस्वी पत्रकार-- क्षेमचंद सुमन

11. समाचार और प्रारूप लेखन-- सुभाष धूलिया

12. राष्ट्रीय नवजागरण-हिंदी पत्रकारिता-- मीरा रानी बल

13. आधुनिक पत्रकार कला--विष्णुदत्त शुक्ल

14. सूचना का अधिकार-- सं० हरिवंश

15. आधुनिक पत्रकारिता-- अर्जुन तिवारी

16. मीडिया समग्र (**11** खंड) --जगदीश्वर चतुर्वेदी

Semester-I

Course Name: Hindi Communication

(MIL COMMUNICATION)

Course Code: AECH101

Course Type: **AE** **(Theoretical)**	Course Details: **AEC-1**			L-T-P: **4-0-0**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
3. हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:

काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय
उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-2 :

शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द , अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
पल्लवन और संक्षेपण

इकाई-3:

संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
संप्रेषण के प्रकार

इकाई- 4 :

अध्ययन, वाचन और चर्चा: प्रक्रिया और बोध
साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रथ :

1. संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
2. हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
3. हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
4. हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
5. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद
7. हिंदी क्रियाओं की रूप–रचना – बद्रिनाथ कपूर
8. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम शर्मा
9. वाक्या-संरचना और विश्लेषण - बद्रिनाथ कपूर
10. मानक हिंदी के शुद्ध प्रयोग (1-4) – रमेशचंद्र महरोत्रा

Semester-I

Course Name: KARYALAYI HINDI

Course Code: BAHINSE101

Course Type: **SE** **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-1**			L-T-P: **2-1-0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।
2. प्रशासनिक पत्राचार के प्रारूप और उनके प्रयोग संदर्भों को समझ सकेंगे।
3. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की भूमिका और आवश्यकता पर प्रकाश डाल सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरूप

इकाई :2-प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र,अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी अनुवाद

इकाई-4: कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याएं

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे
2. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार—ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
3. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी
4. राजभाषा हिंदी –प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
5. नागरी लिपि : लिपि और वर्तनी--अनंत चौधरी
6. नागरी लिपि और उसकी समस्याएं--नरेश शर्मा
7. व्यवहारिक हिंदी--रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
8. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान --देवेंद्रनाथ शर्मा
9. हिंदी आलोचना और टिप्पणी—ओमप्रकाश शर्मा
10. अनुवाद अनुसृजन -- सं. : ए. अरविंदाक्षन

Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Course Code: BAHINMJ201

Course Type: **MAJOR (Theoretical)**	Course Details: **MJC-2**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकाल के विकास, प्रवृत्तियों, कविताओं और रचनाकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

2. विद्यार्थी इसमें भारतीय कविता के अस्तित्व और भक्तिकाल के क्लासिकल रूप को जान सकते हैं।

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिधि रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।

4. बारह महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी,मैथिली,अवधी, ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

Content/ Syllabus:

<u>इकाई : एक</u>

अमीर खुसरो (अमीर खुसरो—सं.माधव हाड़ा से 5 -5 पहेलियाँ और मुकरियाँ) :

पहेलियाँ – 1. एक नार तरवर से उतरी मा सो जनम ना पायो, 2. नर नारी को जो नर भाय, 3. एक नार ने अचरज किया, 4. एक तिरिया है नकचढ़ी, 5. नार जगत की जीवन मूल।

मुकरियाँ – 1. पड़ी थी मैं अचानक चढ़ आओ। 2. रात समय वह मेरे घर आवे। 3. मेरा मुँह पोंछे मोको प्यार करो। 4. वह आवे तब शादी होय। 5. सेज पड़ी मेरे आँखों आया।

विद्यापति (विद्यापति – सं.शिवप्रसाद सिंह से 5 पद) : 1. विदिता देवि विदिता हो(1) **2**. नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) **3**. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) **4**. को हमे साँझक एकसरि तारा(51) **5.** मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54)

इकाई: दो

कबीर (कबीर ग्रंथावली –सं.श्यामसुंदर दास से 5 पद) : 1.संतों भाई आई ज्ञान की आंधी रे (16) **2**. चलन चलन सब कोई कहत है, न जाने बैकुण्ठ कहाँ है (24) **3**. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी (39) **4**. पंडित बाद वदंते झूठा (40) **5**.माया तजूं तजी नहीं जाइ(84)

रहीम (रहीम—सं.माधव हाड़ा से 10 पद)

1. अब रहीम चुप करि रहउ, समुझि दिनन कर फेर।(7) 2. ओछो काम बड़े करैं, तौ न बड़ाई होय।(21) 3. चिंता बुद्धि परेखिए , टोटे परख त्रियाहिं ।(57) 4. जैसी परै सो सही रहै, कहि रहीम यह देह। (73) 5. जो रहीम गति दीप की, सुत सपूत की सोय ।(84) 6. बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल ।(135) 7. मान सहित विष खाय के , संभु भये जगदीस ।(157) 8. रहिमन ओछे नरन सों, बैर भलो ना प्रीति ।(183) 9. रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपति सहाय(214) 10. समय पाय फल होत है, समय पाय झरि जाय ।(272)

इकाई: तीन

जायसी (जायसी—सं.आ. रामचंद्र शुक्ल, मानसरोदक खंड के 5 पद) 1. खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर ढाढ़ी भई ।2. सरवर तीर पदुमिनी आई। खोंपा छोरि केस मोर काई। 3. धरी तीर सब छीपक सारी। सरवर महँ पैठी सब बारी ।4. सखी एक तेईं खेलन जाना। चित अचेत भइ हार गँवाना ।5. कहा मानसर चहा सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई।

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से 5 पद) : - 1. मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लगि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) **2**. ऊँचो मनु,ऊंची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) **3.** जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) **4.** किसबी, किसान-

कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपल नट,चोर,चार, चेटकी(96), 5**.** धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदास सटीक –सं.धीरेन्द्र वर्मा से 5 पद) : 1. अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) **2** . सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) 3. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) **4.** आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **5**. निरगुन कौन देस कौ बासी?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीरा का काव्य- सं.विश्वनाथ त्रिपाठी से 5 पद) : 1.आली री म्हारे णैणा बाण पड़ी
2.म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां**3.**जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट
4.कोबिरहिनी को दुःख जांणैहो**5.** राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

इकाई: पांच

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर –सं.जगन्नाथ दास रत्नाकर से 10 दोहे) : 1. बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) **2.** कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) **3.** या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) **4.** मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161)**5.** बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) **6.**तजि तीरथ हरि राधिके(201)7**.** कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) **8.**दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढ़ै दुःख-दंदु (357) **9.** दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) **10**. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472)

घनानंद (घनानंदकवित्त –सं.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से 5 पद) : **1**. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) **2.** पहिलें घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) 3**.** रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै (15) **4**. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) **5**. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ (97)

इकाई: छ:

पद्माकर (रीतिकाव्य संग्रह—सं. जगदीश गुप्त, 5 पद) : 1. जाहिरै जागति सी जमुना जब बूड़ै बहै उमगै वह बैनी 2. भाल पै लाल गुलाल, गुलाल सों गेरि गरै गजरा अलबेलौ 3. हौं अलि आज बड़े तरके भरि कै घट गौरस

कौं पग धारों। 4. जब लौं घर को धनी आवै घरै तब लौं तौ कहूँ चित देवौंकरौ 5. हैं नहि माइको मेरी भटू यह सासुरो है सब कि सहिबो करौ

भूषण (स्वर्णमञ्जूषा– सं. नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार से 5 पद) : 1. पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) **2.** इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) **3.** बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) **4.** भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) **5**. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अमीर खुसरो-सं. माधवहाड़ा,राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसारोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006
2. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. रहीम-सं. माधवहाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006
5. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
6. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा- एक पुनर्मूल्यांकन--सं० पल्लव,आधार प्रकाशन,हरियाणा
9. पचरंग चोला पहर सखी री--माधव हाड़ा -, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. बैद हि ओखद जाणै - माधव हाड़ा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
13. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
14. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
17. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
19. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
20. लोकवादी तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
22. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
23. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

24. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
25. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
26. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
28. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. खुसरो , तानसेन तथा अन्य कलाकार – सुलोचना वृहस्पति
30. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – भोलानाथ तिवारी
31. पद्माकर कवि – सुकदेव दुबे
32. पद्माकर की रचनाओं का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सुषमा शर्मा
33. पद्माकर की काव्य साधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
34. देव और पद्माकर तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. राम कुमार शर्मा
35. रहीम का नीति काव्य – बालकृष्ण अकिंचन
36. रहीम की राष्ट्रीयता – देवेन्द्र प्रताप सोलंकी
37. अब्दुर्रहीम खानखाना – समर बहादुर सिंह

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Course Code: BAHINMN201

Course Type: **MINOR (Theoretical)**	Course Details: **MNC-2**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:
(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकाल के विकास, प्रवृत्तियों,कविताओं और रचनाकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

2. विद्यार्थी इसमें भारतीय कविता के अस्तित्व और भक्तिकाल के क्लासिकल रूप को जान सकते हैं।

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिधि रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।

4. आठ महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

अमीर खुसरो (अमीर खुसरो—सं.माधव हाड़ा से 5 -5 पहेलियाँ और मुकरियाँ) :

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

पहेलियाँ – 1. एक नार तरवर से उतरी मा सो जनम ना पायो, 2. नर नारी को जो नर भाय, 3. एक नार ने अचरज किया, 4. एक तिरिया है नकचढ़ी, 5. नार जगत की जीवन मूल।

मुकरियाँ – 1. पड़ी थी मैं अचानक चढ़ आओ। 2. रात समय वह मेरे घर आवे। 3. मेरा मुँह पोंछे मोको प्यार करो। 4. वह आवे तब शादी होय। 5. सेज पड़ी मेरे आँखों आया।

विद्यापति (विद्यापति – सं.शिवप्रसाद सिंह से 5 पद) : 1. विदिता देवि विदिता हो(1) **2**. नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) **3**. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) **4**. को हमे साँझक एकसरि तारा(51) **5.** मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54)

इकाई: दो

कबीर (कबीर ग्रंथावली –सं.श्यामसुंदर दास से 5 पद) : 1.संतों भाई आई ज्ञान की आंधी रे (16) **2**. चलन चलन सब कोई कहत है, न जाने बैकुण्ठ कहाँ है (24) **3**. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी (39) **4**. पंडित बाद वदंते झूठा (40) **5**.माया तजूं तजी नहीं जाइ (84)

रहीम (रहीम—सं.माधव हाड़ा से 10 पद)

1. अब रहीम चुप करि रहउ, समुझि दिनन कर फेर। (7) 2. ओछो काम बड़े करैं, तौन बड़ाई होय। (21) 3. चिंता बुद्धि परेखिए , टोटे परख त्रियाहिं। (57) 4. जैसी परै सो सही रहै, कहि रहीम यह देह।(73) 5. जो रहीम गति दीप की, सुत सपूत की सोय।(84) 6. बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल।(135) 7. मान सहित विष खाय के , संभु भये जगदीस।(157) 8. रहिमन ओछे नरन सों, बैर भलो ना प्रीति।(183) 9. रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपति सहाय(214) 10. समय पाय फल होत है, समय पाय झरि जाय। (272)

इकाई: तीन

जायसी (जायसी—सं.आ. रामचंद्र शुक्ल, मानसरोदक खंड के 5 पद) 1. खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर ढाढ़ी भई। 2. सरवर तीर पदुमिनी आई। खोंपा छोरि केस मोर काई। 3. धरी तीर सब छीपक सारी। सरवर महँ पैठी सब बारी। 4. सखी एक तेईं खेलन जाना। चित अचेत भइ हार गँवाना। 5. कहा मानसर चहा सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई।

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से 5 पद) : - 1. मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लगि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) **2**. ऊँचो मनु,ऊंची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) **3.** जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) **4.** किसबी, किसान-

कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपल नट,चोर,चार, चेटकी(96), **5.** धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदास सटीक –सं.धीरेन्द्र वर्मा से 5 पद) : 1. अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) **2** . सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) **3**. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) **4.** आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **5**. निरगुन कौन देस कौ बासी?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीरा का काव्य- सं.विश्वनाथ त्रिपाठी से 5 पद) : 1. आली री म्हारे णैणा बाण पड़ी
2. म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां **3.** जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट
4. कोबिरहिनी को दुःख जांणैहो **5.** राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

इकाई: पांच

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर –सं.जगन्नाथ दास रत्नाकर से 10 दोहे) : 1. बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) **2.** कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) **3.** या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) **4.** मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161) **5.** बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) **6.**तजि तीरथ हरि राधिके(201)7**.** कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) **8.**दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढ़ै दुःख-दंदु (357) **9.** दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) **10**. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472)

घनानंद (घनानंदकवित्त –सं.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से 5 पद) : **1**. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) **2.** पहिलें घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) 3**.** रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै (15) **4**. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) **5**. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ (97)

इकाई: छ:

पद्माकर (रीतिकाव्य संग्रह—सं. जगदीश गुप्त, 5 पद) : 1. जाहिरै जागति सी जमुना जब बूड़ै बहै उमगै वह बैनी **2**. भाल पै लाल गुलाल, गुलाल सों गेरि गरै गजरा अलबेलौ **3.** हौं अलि आज बड़े तरके भरि कै घट गौरस

कौं पग धारों **4**. जब लौं घर को धनी आवै घरै तब लौं तौ कहूँ चित देवौंकरौ **5.** हैं नहि माइको मेरी भटू यह सासुरो है सब कि सहिबो करौ

भूषण (स्वर्णमञ्जूषा– सं. नलिनविलोचन शर्मा, केसरी कुमार से 5 पद) : **1.** पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) **2.** इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) **3.** बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) **4.** भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) **5.** साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अमीर खुसरो-सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसारोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006
2. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. रहीम-सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006
5. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
6. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा- एक पुनर्मूल्यांकन-- सं० पल्लव,आधार प्रकाशन, हरियाणा
9. पचरंग चोला पहर सखी री-- माधव हाड़ा -, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. बैदहि ओखद जाणै - माधव हाड़ा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
13. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
14. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
17. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
19. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
20. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
22. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
23. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

24. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
25. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
26. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
28. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. खुसरो , तानसेन तथा अन्य कलाकार – सुलोचना वृहस्पति
30. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – भोलानाथ तिवारी
31. पद्माकर कवि – सुकदेव दुबे
32. पद्माकर की रचनाओं का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सुषमा शर्मा
33. पद्माकर की काव्य साधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
34. देव और पद्माकर तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. राम कुमार शर्मा
35. रहीम का नीति काव्य – बालकृष्ण अकिंचन
36. रहीम की राष्ट्रीयता – देवेन्द्र प्रताप सोलंकी
37. अब्दुर्रहीम खानखाना – समर बहादुर सिंह

Semester-II

Course Name : Anuvad Vigyan

COURSE CODE :MDC216

Course Type: **MD** **(Theoretical)**	Course Details: MDC-2			L-T-P: **2-1-0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी अनुवाद के प्रयोजन और प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
2. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
3. विद्यार्थियों में अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी ।
4. अनुवाद की प्रयोजन तथा प्रक्रिया की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

Content/ Syllabus:

इकाई -1. अनुवाद : अर्थ, अवधारणा, प्रकार और क्षेत्र

इकाई -2-भारत में अनुवाद की परम्परा का विकास

इकाई -3. अनुवाद : महत्त्व, समस्याएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ

इकाई-4.अनुवाद का प्रायोगिक पक्ष (हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. डॉ. नगेन्द्र
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
3. अनुवाद विविध आयाम चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी .गो .मा
4. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद कला कुछ विचार – आनंद प्रकाशन, खेमाज
6. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद विज्ञान भूमिका   कृष्ण कुमार गोस्वामी
8. अनुवाद का समकाल – डॉ. मोहसिन खान
9. अनुवाद का नया विमर्श – श्रीनारायण समीर
10. अनुवाद की समस्याएँ – जी. गोपी नाथन
11. अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग - जी. गोपीनाथन

Kaju Kumari Shaw

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL

Date: 08/04/2025

Semester-II

Course Name: Social Media

Course Code: BAHINSE201

Course Type: SE**(Theoretical)**	Course Details: **SEC-2**			L-T-P: **2-1-0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के विविध आयामों की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थी मीडिया की निरंतर बदलती हिंदी भाषा से परिचित हो सकेंगे।
3. इंटरनेट के उपयोग को जान पाएगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 : इंटरनेट, विकीपीडिया, यू-ट्यूब, फेसबुक

इकाई-2 : हिंदी वेबसाइट और ब्लॉग लेखन की अवधारणा

इकाई-3 : सोशल मीडिया एवं वेब मीडिया का प्रभाव

इकाई-4 : ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, टिंडर, स्नैपचैट

संदर्भ ग्रंथ :

1- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
2- जनसम्पर्क स्वरूप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद
3- हिन्दी के यशस्वी पत्रकार : क्षेमचन्द सुमन
4- राष्ट्रीय नवजागरण : हिन्दी पत्रकारिता - मीरा रानी बल

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

5- सूचना का अधिकार : सं० हरिवंश

6- मीडिया समग्र (11 खण्ड) : जगदीश्वर चतुर्वेदी

7- नये जन – संचार माध्यम और हिंदी – सं. : सुधीश पचौरी, अचला शर्मा

8- हिंदी वेब साहित्य – सुनील कुमार लवटे

Student exiting the programmes after securing 40 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/ Subject provided they secure following 4 credit in work based vocational course/summer internship during 1st year

Semester –II

Course Name: Summer Internship **(Hindi Bhashi Samaj Ka Sarvekshan)**

Course Code: SI201

Course Type: **SI**	Course Details: SIC-1			L-T-P: 0-**0-8**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	**NA**	20	**NA**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. हिंदी भाषी समाज का सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं आर्थिक स्थितियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. हिंदी भाषी समाज की विकास की प्रेरणा उत्पन्न होगी।
3. हिंदी भाषी समाज की समस्याओं को दूर करने की भावना उत्पन्न होगी।

Content/ Syllabus:

निर्देश :- छात्रों को हिंदी भाषी समाज के किसी एक मुहल्ले का जिसमें न्यूनतम दस परिवार आते हों , का सामाजिक , सांस्कृतिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण करते हुए लगभग 2500 शब्दों में एक परियोजना प्रस्तुत करनी होगी।

Semester –III

Course Name : Bhasha Vigyan Aur Hindi Bhasha

COURSE CODE :BAHINMJ301

Course Type: **MAJOR** **(Theoretical)**	Course Details: MJC-3			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिंदी भाषा के विकास क्रम और उसकी बोलियों की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी भाषा की ध्वनियों और समय-समय पर उन में हुए परिवर्तन को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी भाषा के महत्व को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी को हिंदी भाषा का समुचित और तर्कसंगत ज्ञान हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: भाषा :परिभाषा, भाषा और बोली, भाषा विज्ञान:सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग,अध्ययन की पद्धतियाँ

इकाई-2: ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई- 3 : हिंदी भाषा का विकास : हिंदी भाषा परिवार की विभिन्न बोलियाँ, सामान्य परिचय, खड़ीबोली हिंदी का विकास

इकाई- 4 अर्थ विज्ञान : परिभाषा, परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई- 5 वाक्य विज्ञान : परिभाषा, प्रकार और वाक्य-परिवर्तन

इकाई-6: हिंदी के विभिन्न रूप: राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी का मानकीकरण

संदर्भ ग्रंथ :

1- भाषा विज्ञान प्रवेश एंव हिंदी भाषा—डॉ.भोलानाथ तिवारी
2- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्र नाथ शर्मा
3- भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
4- हिन्दी भाषा का इतिहास-- डॉ.भोलानाथ तिवारी
5- हिन्दी भाषा—हरदेव बाहरी
6- प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे
7- प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
8- व्यवहारिक हिंदी पत्राचार-- दंगल झाल्टे
9- मानक हिंदी का शुद्धीपरक व्याकरण—रमेशचंद्र मलहोत्रा
10- मानक हिंदी स्वरूप और संरचन—डॉ.रामप्रकाश
11- परिष्कृत हिंदी व्याकरण—बदरीनाथ कपूर
12- सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग-गोपीनाथ श्रीवास्तव
13 - हिन्दी क्रियाओं की रूप-रचना- बद्रीनाथ कपूर
13- अच्छी हिन्दी- माधव सोनटक्के
15 - हिन्दी प्रयोग- रामचन्द्र वर्मा, बदरीनाथ कपूर
16 - बोलचाल की हिन्दी- सुशीला गुप्ता

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

Semester –III

Course Name: Aadhunik Hindi Kavya :ChhayavadTak

COURSE CODE :BAHINMJ302

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-4			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: 10**0**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:
(After the completion of course, the students will have ability to):

1) भारतेंदु युग से छायावाद युग तक के कवियों का परिचय करवाना।

2) छायावाद युग तक के कवियों तथा काव्य-संग्रहों से परिचित करवाना।

3) छायावादी काल तक के कवियों के अवदान से परिचित करवाना।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

भारतेंदु हरिश्चंद्र : दशरथविलाप, बसंत, प्रात समीरन, नये ज़माने की मुकरियाँ (भारतेंदु समग्र से)
अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : पवनदूत प्रसंग ('प्रियप्रवास' के षष्ठ सर्ग का छंद सं० 26-से 50 तक)

इकाई दो :

मैथिलीशरण गुप्त : हम कौन थे क्या हो गए, सखि वे मुझसे कहकर जाते, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

रामनरेश त्रिपाठी : कामना, अतुलनीय जिनके प्रताप का, पुष्प विकास

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

<u>इकाई तीन :</u>

जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री, मेरे नाविक, पेशोला की प्रतिध्वनि
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग- 6, जागो फिर एक बार,स्नेह निर्झर बह गया है

इकाई चार :

सुमित्रानंदन पन्त : नौका-विहार,ताज, भारत माता

महादेवी वर्मा: विरह का जलजात जीवन, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, हे चिर महान

इकाई पाँच :

सुभद्रा कुमारी चौहान : जलियाँवाला बाग में बसंत, ठुकरा दो या प्यार करो, झांसी की रानी की समाधि पर

रामकुमार वर्मा : हे ग्रामदेवता, किरण कण ,मौन करुणा

इकाई छह :
सोहन लाल द्विवेदी : कोशिश करने वालों की हार नहीं होती, नववर्ष, नैनों की रेशम डोरी से
माखन लाल चतुर्वेदी : कैदी और कोकिला, मरण ज्वार, सौदा

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ –संपादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
3. भारत भारती– मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. यशोधरा -मैथिलीशरण- गुप्त , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. प्रसाद अज्ञेय-निराला-–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निराला की साहित्य साधना, खंड2-,रामविलास शर्मा- , राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. निराला आत्महंता आस्था :–दूधनाथ सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा –रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानंदन पन्त –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. महादेवी परमानंद श्रीवास्तव : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713340

Date: 08/04/2025

11. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि –द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. सुमित्रानंदन पन्त –कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहाबाद
13. सुमित्रानंदन पंत : जीवन और साहित्य (भाग- 2), राजकमल प्रकाशन
14. मैथिलीशरण गुप्त - नंदकिशोर नवल -राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. भारतेंदु ग्रंथावली खंड – 3 संपादक ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संसथान, नयी दिल्ली
16. भारतेंदु समग्र – संपादक हेमंत शर्मा, प्रचारक ग्रंथावली परियोजना, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
17. राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी, डॉ. राष्ट्रबंधु, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
18. डॉ.रामकुमार वर्मा की साहित्य साधना, संपादकडॉ. चंद्रिका प्रसाद शर्मा,साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
19. आज के लोकप्रिय हिंदी कवि डॉ रामकुमार वर्मा, डॉ. राधाकृष्ण श्रीवास्तव, राजपाल एंड संस,दिल्ली
20. डॉ. रामकुमार वर्मा के काव्य का मूल्यांकन, डॉ. प्रभा भटू,अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
21. विद्रोहिणी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान,सं. डॉ.शिवनारायण,विशाल पब्लिकेशन, पटना

Semester-III

Course Name: Aadhunik Hindi Kavya

COURSE CODE- BAHINMN301

Course Type: **MINOR** (**Theoretical)**	Course Details: MNC-3			L-T-P: 4-**1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	30	……	7**0**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के विकास क्रम को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भों को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी कविता की संवेदना और शिल्प की समझ विकसित होगी।
4. विद्यार्थी साहित्य और समाज के अन्तसंबंध को बेहतर समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1- i) प्रसाद – पेशोला की प्रतिध्वनि , ले चल वहां भुलावा देकर
ii) निराला – राजे ने रखवाली की, कुकुरमुत्ता

इकाई-2- i) पंत – प्रथम रश्मि, छोड़ द्रुमों की मृदु छाया
ii) महादेवी वर्मा-पंथ होने दो अपरिचित,अब वरदान कैसा !

इकाई-3 -i) अज्ञेय – बावरा अहेरी, नदी के द्वीप
ii) मुक्तिबोध – लकड़ी का रावण, भूल गलती

इकाई-4 – i)नागार्जुन – प्रतिबद्ध हूं, गुलाबी चूड़ियां
ii)केदारनाथ अग्रवाल – आज नदी बिल्कुल उदास थी, जोशिलाएं तोड़ते हैं

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-5. i) धर्मवीर भारती—टूटा पहिया, थके हुए कलाकार से
ii) कुंवर नारायण –अबकी बार लौटा तो, नई किताबें

इकाई-6. i) कात्यायनी—अपराजिता, गार्गी
ii) जसिंता केरकेट्टा – सभ्यताओं के मरने की बारी; नदी,पहाड़ और बाजार

संदर्भ ग्रंथ :-

1. समकालीन हिंदी कविता : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य – ओमनिश्चल, विजया बुक्स , विजयाबुक्स, नईदिल्ली
2. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
4. अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. नागार्जुन का काव्य : अजय तिवारी
6. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
7. निराला की साहित्य साधना (भाग – 1,2,3) : रामविलास शर्मा
8. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
9. सुमित्रानंदन पंत : डॉ0 नगेंद्र
10. दिनकर के काव्य में युग चेतना : डॉ0 पन्ना
11. केदारनाथ अग्रवाल रचना संचयन -- संपादक नरेंद्र पुंडरीक :
12. रचनाकार केदारनाथ अग्रवाल : चुनी हुई कविताएँ (संपादक : नरेंद्र पुंडरीक), अनामिका प्रकाशन संस्करण : 2011
13. केदारनाथ अग्रवाल की कविता में लोक-जीवन के रंग रचनाकार : डॉ.सुनील कुमार दुबे, प्रकाशन : परिमल प्रकाशन संस्करण : 2021
14. प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल – सं. रामविलास शर्मा, प्रकाशन-साहित्य भंडार

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

SYLLABUS RELATED TO ABILITY ENHANCEMNET COURSE(AEC)

FOR ALL DISCIPLINE

ENGLISH COMMUNICATION

AND

MIL (BENGALI / HINDI/ URDU/ ALTERNATIVE ENGLISH) COMMINUCATION

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

Semester-I and Semester-III

Course Name: Hindi Communication

(MIL COMMUNICATION)

COURSE CODE- BAHINMN301

Course Name: Hindi Communication

Course Code: AECH101/AECH301

Course Type: **AE** (**Theoretical)**	Course Details: AEC-1 /AEC-2			L-T-P: 4-**0-0**	
Credit: **4**	Full Marks:50	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

Course learning outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
3. हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:
काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय
उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास

इकाई-2 :
शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
पल्लवन और संक्षेपण

इकाई-3:
संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
संप्रेषण के प्रकार

इकाई- 4 :
अध्ययन, वाचन और चर्चा : प्रक्रिया और बोध
साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रथ :

1. संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
2. हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
3. हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
4. हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
5. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद
7. हिंदी क्रियाओ कि रूप–रचना – बद्रिनाथ कपूर
8. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम शर्मा
9. वाक्या-संरचना और विश्लेशण - बद्रिनाथ कपूर
10. मानक हिंदी के शुद्ध प्रयोग (1-4) – रमेशचंद्र महरोत्रा

Semester-IV

Course Name:Hindi Upanyas

COURSE CODE :BAHINMJ401

Course Type:MAJOR	Course Details: MJC-5			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. भारतीय जीवन मूल्यों और मानवीय संदर्भों से छात्र परिचित हो सकेंगे।
2. प्रेमचंद के साहित्य में प्रतिबिंबित समाज और उनकी भाषा शैली से अवगत होते हुए नई चिंतन दृष्टि से समृद्ध हो सकेंगे।
3. जैनेन्द्र का जीवन परिचय और साहित्यिक लेखन से परिचित होते हुए त्यागपत्र उपन्यास में स्त्री की यातनापूर्ण स्थिति को जान सकेंगे।
4. ग्लोबल गाँव के देवता, उपन्यास से छात्र आदिवासी समाज की स्थानीय समस्याओं को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: सेवासदन—प्रेमचंद
इकाई-2: त्यागपत्र — जैनेन्द्र
इकाई-3: आपका बंटी—मन्नू भंडारी
इकाई- 4 : रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
इकाई- 5 : दौड़ –ममता कालिया
इकाई- 6 : झूलानट—मैत्रेयी पुष्पा

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

संदर्भ ग्रंथ :

1- प्रेमचंद विरासत का सवाल—शिवकुमार मिश्र
2- प्रेमचंद का पूनर्मूल्यांकन—शम्भुनाथ
3- प्रेमचंद और उनका युग—रामविलास शर्मा
4- हिंदी उपन्यास का इतिहास—गोपाल राय
5- हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा—रामदरश मिश्र
6- आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
7- उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान—दंगल झाल्टे
8- हिंदी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्प विधि—आदर्श सक्सेना
9- उपन्यास की संरचना—गोपाल राय
10- प्रेमचंद के उपन्यसों का शिल्प विधान—कमल किशोर गोयंका
11- मैला आंचल – मधुरेश
12- फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल—गोपाल राय
13- ममता कालिया-सृजनात्मकता के आयाम -3 , संपादक – पल्लव , नई किताब प्रकाशन समूह, दिल्ली – 110032
14- ममता कालिया : पलपल पुनर्नवा सृजन सरोकार,वर्ष 6/अंक-2-3 /जनवरी-जून, नई दिल्ली– 110063
15- ममता कालिया विशेषांक, लमही पत्रिका, संपादक – विजय राय, लखनऊ, जुलाई-सितंबर
16. श्रीलाल शुक्ल की दुनिया - सं. अखिलेश
17. शुक्ल: विचार विश्लेषण एवं जीवन - प्रेम जनमेजय

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

Semester-IV
Course Name: Hindi Kahani
COURSE CODE :BAHINMJ402

Course Type: MAJOR	Course Details: MJC-6			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. हिन्दी कहानी की विकास - यात्रा से परिचित हो सकेंगे।
2. प्रेमचंद की कहानी, सवा सेर गेहूं के माध्यम से किसानों के संघर्ष और पीड़ा से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रसाद की कहानियों के माध्यम से प्रेम और उत्सर्ग के उदात्त भाव को आत्मसात् कर राष्ट्रप्रेम के महत्व को समझ सकेंगे।
4. बदलते परिवेश में कहानियों के प्रतिपाद्य का विवेचन कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 (क) प्रेमचंद - सवा सेर गेहूँ

(ख) जयशंकर प्रसाद- गुंडा

इकाई-2 (क) जैनेंद्र - अपना - अपना भाग्य

(ख) अज्ञेय – गैंग्रिन

इकाई-3 (क) रेणु—लालपान की बेगम

(ख) अमरकांत - दोपहर का भोजन

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई-4 (क) उषा प्रियंवदा – वापसी

(ख) ज्ञानरंजन—पिता

इकाई-5 (क) संजीव – बाघ

(ख) उदय प्रकाश- दरियाई घोड़ा

इकाई-6 (क) नासिरा शर्मा—पत्थर गली

(ख) मधु कांकरिया—नामर्द

संदर्भ ग्रंथ --

1) मानसरोवर भाग-4 - प्रेमचंद

2) प्रतिनिधि कहानियाँ - जयशंकर प्रसाद

3) प्रतिनिधि कहानियाँ – जैनेन्द्र

4) सम्पूर्ण कहानियाँ - उषा प्रियंवदा

5) प्रतिनिधि कहानियाँ - निर्मल वर्मा

6) प्रतिनिधि कहानियाँ -अमरकांत

7). हिंदी कहानी : उद्भव और विकास -डॉ. सुरेश सिंहा

8). हिंदी कहानी: पहचान और परख- सं. इंद्रनाथ मदान

9). कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह

10). कहानी शिल्प और संवेदना – राजेंद्र यादव

11). नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

12). हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश

13). जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय

14). दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल

15). यशपाल – मधुरेश

16). निर्मल वर्मा – सं. अशोक वाजपेयी

17) बीतते हुए – मधु काँकरिया

18) रेणु शतवर्ष विशेषांक - (मुक्तांचल पत्रिका, अंक २३) – जनवरी – मार्च २०२१- सं. मीरा सिन्हा

19. संवेद, रेणु विशेषांक, सं. किशन कालजयी, अंक-123, मार्च-2021

Semester-IV
Course Name: Prayojanamoolak Hindi

COURSE CODE :BAHINMN401

Course Type:MINOR	Course Details: MNC-4			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. भाषा को शुद्ध रूप से पढ़ना, लिखना और बोलना सीखेंगे|
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपादेयता को समझ सकेंगे।
3. प्रशासनिक पत्राचार के स्वरूप और प्रकार को समझते हुए, प्रशासनिक पत्रों का मसौदा तैयार कर सकेंगे।
4. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की आवश्यकता से परिचित होने के अलावा कार्यालयी अनुवाद की समस्या और चुनौतियों को भी जान सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ , उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र

इकाई-2. प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध-सरकारी पत्र , कार्यालयी ज्ञापन और अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र , अधिसूचना

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका

इकाई-4: कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियां

इकाई-5: अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं , कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-6: पारिभाषिक शब्दावली : 50 शब्द

1. Advance. –अग्रिम
2. Agreement –अनुबंध
3. Assured –विमित
4. Balance sheet. –तुलनपत्र
5. Book credit - खाता-उधार
6. Borowed note - जमानती रुका
7. Call money - शीघ्रावधिद्रव्य
8. Confiscation. –अधिहरण
9. Contract. –संविदा
10. Disbursement. –संवितरण
11. Dividend –लाभांश
12. Exchange –विनिमय
13. Follow up –अनुवर्तन
14. Goodwill. –सुनाम
15. Import. –आयात
16. Inflation –स्फीति
17. Instrument –प्रपत्र
18. Investment –निवेश
19. Issue. –निर्गम
20. Liability –देयता
21. Margin - लाभ – सीमा
22. Negotiability –पराक्राम्यता
23. Promissory note- रुका
24. Risk. – जोखिम
25. Under writing –. जोखिम अंकन
26. Abatement –अवसान
27. Abolition - उन्मूलन
28. Accusation –अभियोग
29. Ad-hoc - तदर्थ
30. Admissibility - स्वीकार्य
31. Afforesaid - पूर्वोक्त
32. Appendix - परिशिष्ट
33. Bonafides - सद् भाव
34. Charge- प्रभार
35. Clerical Error - लेखन अशुद्धि
36. Consent –सहमति
37. De jure - विधित
38. . Dictation –श्रुतलेख
39. Dissent –असहमति
40. Efficiancy Bar - दक्षता रोक
41. Equipment –उपकरण
42. Ex - officio –पदेन
43. Forwarding letter- अग्रसरण पत्र
44. Immigration- आवास
45. Initials –आद्यक्षर
46. joining Report- कार्यारंभ प्रतिवेदन
47. Modus Operandi- कार्य – प्रणाली
48. Personnel- कार्मिक
49. Returning officer - निर्वाचन अधिकारी
50. Workshop - कार्य-गोष्ठी

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे

2. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक

3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे

4. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

5. राजभाषा हिंदी: प्रकाशन विभाग, भारत सरकार

6. नागरी लिपि : लिपि और वर्तनी: अनंत चौधरी

7. नागरी लिपि और उसकी समस्याएं : नरेश शर्मा

8. व्यवहारिक हिंदी :रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

9. राष्ट्रभाषा हिंदी :समस्याएं और समाधान: देवेंद्रनाथ शर्मा

10. हिंदी आलोचना और टिप्पणी :ओमप्रकाश शर्मा

11. राजभाषा हिंदी : भोलानाथ तिवारी

Semester –IV
Course Name : Vigyapan Aur Hindi

COURSE CODE : BAHINSE-401

Course Type: SE	Course Details: SEC-3			L-T-P: **2 - 1 – 0**	
Credit: 3	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	15	……	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी विज्ञापन के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थियों में विज्ञापन लेखन कौशल का विकास हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:विज्ञापन की परिभाषा, प्रकार और उद्देश्य
इकाई-2 : विज्ञापन : परम्परा और विकास, समाज और संस्कृति पर प्रभाव
इकाई-3: विज्ञापन एजेंसियाँ और उद्योग
इकाई-4 : विज्ञापन की भाषा शैली और हिंदी

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

संदर्भ ग्रंथ :

1- मीडिया लेखन कला—सूर्यप्रकाश दीक्षित
2- मीडिया लेखन—डॉ.यू.सी. गुप्ता
3- व्यवहारिक पत्रकारिता-- डॉ.यू.सी. गुप्ता
4- मीडिया लेखन और सम्पादन कला—गोविंद प्रसाद
5- जनसम्पर्क, स्वरुप और सिद्धांत—डॉ.राजेंद्र प्रसाद
6- प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
7- प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
8- विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी— कैलाश नाथ पाण्डेय
9- विज्ञापन और जनसम्पर्क— डॉ. मुक्ति नाथ झा, सुधांशु श्रीवास्तव
10- जन–सम्पर्क के विविध आयाम— पवित्रा श्रीवास्तव, सी. के. सरदाना

Student exiting the programmes after securing 84 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/ Subject provided they secure following 4 credit in work based vocational course/summer internship during 2nd year

Semester –IV

Course Name: Summer Internship (Hindi Sevi Sansthano Ka Sarvekshan)

Course Code: SI401

Course Type: **SI**	Course Details: SID-1			L-T-P: 0-**0-8**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	**NA**	20	**NA**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थी किसी संस्थान का सर्वेक्षण करने की पद्धति को सीख पाएंगे।
2. इस पाठ्यक्रम के तहत अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिंदी सेवी संस्थानों का हिंदी के प्रचार प्रसार के योगदान को जान पाएंगे।

निर्देश :- छात्रों को किसी एक विद्यालय / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय /शोध संस्थान /पुस्तकालय तथा हिंदी सेवी संस्था के हिंदी सम्बंन्धी योगदान का सर्वेक्षण करते हुए लगभग 2500 शब्दों में एक लिखित परियोजना तैयार करनी होगी।

Semester –V

Course Name: Chhayavadottar Hindi Kavita

COURSE CODE:BAHINMJ501

Course Type: **MAJOR** **(Theoretical)**	Course Details: MJC-7			L-T-P: 4-**1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी छायावादोत्तर हिंदी कविता के सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक संदर्भ को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थियों में छायावादोत्तर हिंदी कविता-संवेदना और अभिव्यक्ति की समझ विकसित होगी।
3. विद्यार्थियों में छायावादोत्तर हिंदी कविता के भाषा शिल्प की समझ विकसित होगी।
4. विद्यार्थी जीवन-यथार्थ के साथ-साथ मनुष्य और प्रकृति के गहरे संबंधों को बेहतर रूप में समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: दिनकर – रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)

अज्ञेय- कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप।

इकाई-2: मुक्तिबोध—चाँद का मुँह टेढ़ा है।
नागार्जुन- प्रतिबद्ध हूँ, बहुत दिनों के बाद।

इकाई-3 : धूमिल- रोटी और संसद, गाँव।
रघुवीर सहाय- आत्महत्या के विरुद्ध, खड़ी स्त्री।

इकाई- 4: केदारनाथ सिंह - जो एक स्त्री को जानता है, एक लोकगीत की अनुकृति

राजेश जोशी-- बच्चे काम पर जा रहे हैं,मै झुकता हूँ

इकाई- 5: मदनकश्यप-- पगडंडिया, बड़ी होती बेटी

अष्टभुजा शुक्ल –साथी ! अपना गांव रखाना, और नहीं अब सहने वाली

इकाई –6. अनामिका- जनम ले रहा है एक नया पुरुष-1 , नमक।
निर्मला पुतुल- मुझे मत ब्याहना बाबा उतनी दूर, नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द

संदर्भ ग्रंथ :

1- मुक्तिबोध का रचना संसार- सं.गंगा प्रसाद विमल
2- गजानन माधव मुक्तिबोध-सं. लक्ष्मण दत्त गौतम
3- मुक्तिबोध का साहित्यिक विवेक और उनकी कवित—लल्लन राय
4- अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा: नंदकिशोर आचार्य
5- कविता के नये प्रतिमान-- नामवर सिंह
6- अज्ञेय :- सं. विश्वानाथ प्रसाद तिवारी
7- नागार्जुन की काव्यप्रक्रिया—अशोक चक्रधर
8- समकालीन बोध और धूमिल का काव्य – हुकुमचंद्र राजपाल
9- नागार्जुन का रचना संसार—विजय बहादुर सिंह
10-रघुवीर सहाय का कवि कर्म—सुरेश शर्मा
11-रघुवीर सहाय का काव्य : एक अनुशीलन—मीनाक्षी
12-केदारनाथ सिंह : चकिया से दिल्ली - सं. कामेश्वर प्रसाद सिंह
13-कवि केदारनाथ सिंह - सं. भारत यायावर, राजा खुगशाल
14-समकालीन कविता और धूमिल—मंजुल उपाध्याय
15-समकालीन हिंदी कविता—विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
16-कविता के देशकाल—मुक्तेश्वरनाथ तिवारी
17-अज्ञेय रचनावली (खंड : १) – सं. कृष्णदत्त पालीवाल

Semester – V
Course Name: Hindi Natak Aur Ekaanki

COURSE CODE:BAHINMJ502

Course Type: MAJOR **(Theoretical)**	Course Details: MJC-8			L-T-P: 4-**1**-**0**	
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थियों को सामाजिक ,सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का ज्ञान हो सकेगा।
3. नाटक और एकांकी का अभिनय करके विद्यार्थियों में अभिनय कला का विकास हो सकेगा।
4. विद्यार्थियों में संवाद लेखन-कला का समुचित विकास हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

नाटक :-
इकाई-1:चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
इकाई-2:आधे-अधूरे-मोहन राकेश
इकाई-3: बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई- 4: आगरा बाजार-हबीब तनवीर

एकांकी –

इकाई:- 5

1: ताँबें के कीड़े - भुवनेश्वर

2: तौलिये - उपेंद्रनाथ अश्क

इकाई:- 6

1: औरंगजेब की आखिरी रात- राम कुमार वर्मा

2: रीढ़ की हड्डी – जगदीशचंद्र माथुर

संदर्भ ग्रंथ :

1- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- नेमिचंद्र जैन
2- प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना- गोविंद चातक
3- समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच- जयदेव तनेजा
4- हिन्दी नाटक- जयदेव तनेजा
5- हिंदी एकांकी उद्भव और विकास- डॉ. रामचरण महेंद्र
6- हिंदी एकांकी - सत्येंद्र
7- एकांकी और एकांकी- डॉ. सुरेंद्र यादव
8- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज अंकुर
9- दर्शन प्रदर्शन- देवेन्द्रराज अंकुर
10- रंग कोलाज– देवेन्द्रराज अंकुर
11- रंगमंच के सिद्धांत- सं. महेश आनन्द, देवेन्द्रराज अंकुर

Semester- V

Course Name: Bharatiya Kavyashastra
Course Code: BAHINMJ503

Course Type: MAJOR **(Theoretical)**	Course Details: MJC-9			L-T-P: 4-**1-0**	
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	3**0**	……	7**0**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1 . विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी प्राप्त होगी |
2 . प्राचीन काव्यगत सिद्धान्तों और सम्प्रदायों की जानकारी के साथ-साथ काव्य-निर्माण के आवश्यक तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा |
3. विद्यार्थी साहित्य की परिभाषा के साथ-साथ भारतीय काव्यशास्त्र साहित्य की परंपरा एवं काव्य-लक्षण पर भारतीय आचार्यों के मत-मतांतर से परिचित हो सकेंगे।
4. काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदायों की जानकारी होने पर विद्यार्थीयों में काव्य -पाठ को समझने की क्षमता विकसित हो सकेंगी।
5. छात्र रस, अंलकार, रीति, ध्वनि, वक्रोत्ति आदि के अध्ययन से काव्य में इनका प्रयोग एवं इनकी उपयोगिता से परिचित हो सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. काव्य लक्षण, काव्य- हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई-2. शब्द शक्तियाँ- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

इकाई-3.रस-सिद्धांत : रसांग , रस-निष्पत्ति , साधारणीकरण।

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-4. अलंकार सिद्धांत, अलंकार के भेद

इकाई-5.ध्वनि सिद्धांत, रीति सिद्धांत

इकाई-6 वक्रोक्ति सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत

संदर्भ ग्रंथ

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
2. रस मीमांसा - रामचंद्र शुक्ल
3. भारतीय काव्यशास्त्र- सत्यदेव चौधरी
4. भारतीय साहित्य शास्त्र - -(दोनों भाग) बलदेव उपाध्याय
5. रस सिद्धांत - नगेंद्र
6. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोलाशंकर व्यास
7. भारतीय साहित्य शास्त्र-गणेश त्र्यंबक देशपांडे
8. रीतिकाव्य की भूमिका - नगेन्द्र
9. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका- योगेन्द्र प्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्र- योगेन्द्र प्रताप सिंह

Semester-V
Course Name: Hindi Kahani
COURSE CODE :BAHINMN501

Course Type: MINOR	Course Details: MNC-5			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे।
2. प्रेमचंद की कहानी, सवा सेर गेहूं के माध्यम से किसानों के संघर्ष और पीड़ा से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रसाद की कहानियों के माध्यम से प्रेम और उत्सर्ग के उदात्त भाव को आत्मसात् कर राष्ट्रप्रेम के महत्व को समझ सकेंगे।
4. बदलते परिवेश में कहानियों के प्रतिपाद्य का विवेचन कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 (क) प्रेमचंद - सवा सेर गेहूँ

(ख) जयशंकर प्रसाद- गुंडा

इकाई-2 (क) जैनेंद्र - अपना - अपना भाग्य

(ख) अज्ञेय – गैंग्रिन

इकाई-3 (क) रेणु—लालपान की बेगम

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

(ख) अमरकांत - दोपहर का भोजन

इकाई-4 (क) उषा प्रियंवदा – वापसी

(ख) ज्ञानरंजन—पिता

इकाई-5 (क) संजीव – बाघ

(ख) उदय प्रकाश- दरियाई घोड़ा

इकाई-6 (क) नासिरा शर्मा—पत्थर गली

(ग) मधु कांकरिया—नामर्द

संदर्भ ग्रंथ --

1). मानसरोवर भाग-4 - प्रेमचंद

2). प्रतिनिधि कहानियाँ - जयशंकर प्रसाद

3). प्रतिनिधि कहानियाँ – जैनेन्द्र

4). सम्पूर्ण कहानियाँ - उषा प्रियंवदा

5). प्रतिनिधि कहानियाँ - निर्मल वर्मा

6). प्रतिनिधि कहानियाँ -अमरकांत

7). हिंदी कहानी : उद्भव और विकास - डॉ. सुरेश सिंहा

8). हिंदी कहानी: पहचान और परख- सं. इंद्रनाथ मदान

9). कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह

10). कहानी शिल्प और संवेदना – राजेंद्र यादव

11). नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

12). हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश

13). जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय

14). दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल

15). यशपाल – मधुरेश

16). निर्मल वर्मा – सं. अशोक वाजपेयी

17) बीतते हुए – मधु काँकरिया

18) रेणु शतवर्ष विशेषांक - (मुक्तांचल पत्रिका, अंक २३) – जनवरी – मार्च २०२१- सं. मीरा सिन्हा

19. संवेद : रेणु विशेषांक, सं. किशन कालजयी, अंक-123, मार्च-2021

Semester-VI

Course Name: Pashchatya Kavyashastra
Course Code: BAHINMJ601

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-10			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी पश्चिमी परंपरा और विभिन्न पश्चिमी आलोचकों के विचारों सहित वहां के साहित्य-चिंतन की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थियों में आलोचना-दृष्टि का विकास होगा।
3. प्लेटो, लोंजाइनस, टी. एस. इलियट, आई. ए.रिचर्डस, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद के सिद्धांत के अध्ययन से विद्यार्थियों में विश्लेषण और सर्जनात्मक शक्ति का विकास हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. प्लेटो : काव्यलोचन , अरस्तू : अनुकरण, विरेचन , त्रासदी।

इकाई-2. लोंजाइनस : उदात्त-सिद्धांत, वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा।

इकाई-3. टी.एस. इलिएट : निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ट समीकरण

इकाई-4. आई.ए.रिचर्डस :मूल्य-सिद्धांत एवं संप्रेषण-सिद्धांत।

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-5. स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद।

इकाई-6. मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, नई समीक्षा

संदर्भ ग्रंथ

1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र चिंतन - निर्मला जैन
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत- शांति स्वरूप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र-सावित्री सिन्हा
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र सिद्धांत और वाद - सं . नगेंद्र
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ निर्मला जैन एवं कुसुम बाँठिया
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त- ब्रह्म दत्त शर्मा
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा- रामचन्द्र तिवारी

Semester –VI
Course Nam: Asmitamoolak Vimarsh

COURSE CODE:BAHINMJ602

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-11			L-T-P: 4-**1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. 21वीं सदी विमर्शों की सदी है, इस सदी में समाज के सभी वंचित समूहों ने अपने हक़, अधिकार और अपनी अस्मिता की पहचान के लिए निर्णायक लड़ाई छेड़ रखी है। विद्यार्थी इस विमर्शगत अधिकार की लड़ाई से परिचित हो पाएगें।
2.हिंदी साहित्य में तीन महत्वपूर्ण विमर्श -स्त्री,दलित,आदिवासी ने कहानी, कविता, उपन्यास आत्मकथा और अन्य विधाओं के माध्यम से साहित्य जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है, जिससे विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
3.इन तीनों विमर्शों में शोषित समाज के हक़ और हुकूक का इतिहास है, जिससे विद्यार्थी परिचित होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा तथा विशेषताएँ
इकाई-2: विमर्शका समाजशास्त्रीय और सौंदर्शास्त्रीय अध्ययन
इकाई-3: स्त्री विमर्श की अवधारणा , कठगुलाब (मृदुला गर्ग), तुम किसकी हो बिन्नी (मैत्रेयी पुष्पा) में स्त्री विमर्शइकाई-4: दलित विमर्श की अवधारणा, जूठन- भाग-1(ओमप्रकाश वाल्मीकि), बदबू (सूरज पाल चौहान) में दलित विमर्श

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई-5: आदिवासी विमर्श की अवधारणा, ग्लोबल गाँव के देवता(रणेंद्र), वनकन्या(एलिस एक्का) में आदिवासी विमर्श

इकाई-6: किन्नर विमर्श की अवधारणा, पोस्ट बॉक्स नं.-203 नाला सुपारा(चित्रा मुद्गल), बृन्दा महाराज (शिव प्रसाद शर्मा) में किन्नर विमर्श

संदर्भ ग्रंथ--

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास-राधा कुमार
2. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श-जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. स्त्री मुक्ति का सपना-वसुधा विशेषांक(2014)
4. नागपाश में स्त्री- क्षमा शर्मा
5. स्त्री विमर्श की सामाजिकी : मध्यकाल और नवजागरण-अनामिका
6. उपनिवेश में स्त्री-प्रभा खेतान
7. स्त्री स्मिता का प्रश्न-सुभाष सेतिया
8. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र-शरण कुमार लिम्बाले
9. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र-ओमप्रकाश वाल्मीकि
10. दलित साहित्य, अनुभव, संघर्ष और यथार्थ-ओमप्रकाश वाल्मीकि
11. दलित विमर्श की भूमिका-कंवल भारती
12. दलित दर्शन-रमणिका गुप्ता
13. दलित लेखन का अंतर्विरोध-डॉ. रामकली सर्राफ
14. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास -मोहनदास नैमिशराय
15. आदिवासी लोक- रमणिका गुप्ता
16. वाचिकता : आदिवासी दर्शन , साहित्य और सौंदर्यबोध- वंदना टेटे
17. विमर्श के विविध आयाम- अर्जुन चव्हाण

Semester –VI

Course Name: Bharatiya Evam Pashchatya Rangamanch Siddhant

Course Code: BAHINMJ603

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-12			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. पाठ्यक्रम अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी नाटक, रंगमंच के विभिन्न प्रकार, हिंदी नाट्यशास्त्र, नाट्य लेखन के इतिहास का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. रंगमंच के विविध पहलुओं जैसे संवाद-लेखन, पटकथा-लेखन, ध्वनि-व्यवस्था, प्रसाधन आदि में विशेषज्ञता हासिल करने की आधार भूमि को प्राप्त करेंगे।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच को पढ़कर छात्र रंगमंच से जुड़ी बारीकियों को समझ पाएगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. रंगमंच की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणाएँ और इतिहास

इकाई-2. हिंदी साहित्य में रंगमंच की उपस्थिति और उसका विस्तार

इकाई-3. पाश्चात्य साहित्य में रंगमंच और उसका विस्तार

इकाई-4. 'आषाढ़ का एक दिन' का रंगमंच की दृष्टि से विश्लेषण-विवेचन

इकाई-5.'आठवाँ सर्ग' का रंगमंच की दृष्टि से विश्लेषण-विवेचन

इकाई-6. नुक्कड़ नाटक : राजा का बाजा (सफदर हासमी और साथी)

Kaju Kumari Shaw

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

संदर्भ ग्रंथ :

1. एकांकी और एकांकीकार: रामचरण महेन्द्र
2. हिन्दी एकांकी शिल्पविधि का विकास : सिद्धनाथ कुमार
3. समानांतर : रमेशचन्द्र शाह
4. धर्मवीर भारती ग्रंथावली: सं० चन्द्रकांत बांदिवडेकर
5. रंगमंच के सिंद्धात- सं. महेश आनंद, देवेंद्र राज अंकुर
6. रंगमंच का जनतंत्र-हृषीकेश सुलभ
7. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र- देवेन्द्रराज अंकुर
8. दर्शन प्रदर्शन- देवेन्द्रराज अंकुर
9. रंग कोलाज-देवेन्द्रराज अंकुर
10. रंगमंच के सिद्धांत- सं. महेश आनन्द, देवेन्द्रराज अंकुर
11. रंगदर्शन- नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक- बच्चन सिंह
13. नाट्य-विमर्श- मोहन राकेश; सं. : जयदेव तनेजा
14. हिन्दी एकांकी- सिद्धनाथ कुमार

Semester –VI
Course Name: Bharatiya Sahitya
Course Code: BAHINMJ604

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-13			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. प्रत्येक साहित्य की अपनी विशेषताएं होती हैं। इस दृष्टि से भारत के विभिन्न भाषाओं का विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे।
2. भारत बहुभाषी देश है किंतु भारत के विभिन्न सांस्कृतियों में एक प्रकार की सूत्रबद्धता है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी उससे परिचित हो सकेंगे।
3. भारतीय साहित्य में भारत का बिम्ब एवं भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति से जुड़ी बारीकियों को विद्यार्थी समझ पाएगें।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: भारतीय साहित्य का स्वरूप : अध्ययन की समस्याएँ
इकाई-2 : भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब
इकाई-3: हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-4: निबंध : साहित्य का तात्पर्य , सभ्यता का संकट (रवींद्रनाथ ठाकुर)

इकाई-5: आत्मकथा: अक्करमासी (शरण कुमार लिम्बाले)

इकाई-6: संस्कार (यू.आर.अनंतमुर्ति)

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य- डॉ. नगेंद्र
2. भारतीय साहित्य की भूमिका- रामविलास शर्मा
3. भारतीय साहित्य आशा और आस्था- डॉ. आरसु
4. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिपेक्ष्य-इंद्रनाथ चौधरी
5. भारतीय साहित्य की पहचान- सं. सियाराम तिवारी, वाणी
6. भारतीय साहित्य- रोहिताश्व
7. फणीश्वरनाथ रेणु और ताराशंकर बन्धोपाध्याय : वंचितों के कथाकार - सोमा बंद्योपाध्याय
8. विश्वकवि रवींद्रनाथ- सोमा बंद्योपाध्याय
9. उर्दू का आरम्भिक युग- शम्सुर्रहमान फ़ारूकी

Semester –VI
Course Name: Summer Internship
Course Code: SI601

Course Type: **SI**	Course Details: SIMC-1			L-T-P: 0-**0-4**	
Credit: **2**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	**NA**	20	**NA**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थी संस्थानों का सर्वेक्षण करने की पद्धति को सीख पाएंगे।
2. इस पाठ्यक्रम के तहत अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिंदी सेवी संस्थानों का हिंदी के प्रचार प्रसार के योगदान को जान पाएंगे।
3. विद्यार्थी विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के कार्यालय में जाकर सामाचार-लेखन, रिपोर्ट- लेखन, संपादकीय-लेखन और संपादन-कला को सिखेंगे।

निर्देश :- छात्रों को किसी एक सामाचार पत्र कार्यालय/दूरदर्शन/आकाशवाणी कार्यालय/पुस्तकालय / हिंदी सेवी संस्था के हिंदी सम्बंन्धी योगदान का सर्वेक्षण करते हुए लगभग 2500 शब्दों में एक लिखित परियोजना तैयार करनी होगी।

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

1. छात्रों को समाचार लेखन, रिपोर्ट-लेखन एवं निबंध-लेखन में मदद मिलेगी।
2. संपादन-कला में छात्र सिद्धहस्त होंगे।
3. विभिन्न समाचार पत्र-पत्रिकाओं में नौकरी मिलने में सुविधा होगी।

Semester –VII
Course Name: Hindi Nibandh
COURSE CODE:BAHINMJ-701

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-14			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

After the completion of course, the students have ability to:

1. हिंदी गद्य के कथा साहित्य से भिन्न अन्य गद्य विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. हिंदी की विभिन्न कथेतर विधाओं के स्वरूप का ज्ञान होगा।

3. युगीन संदर्भ के आलोक में कथेतर गद्य विधाओं को जान सकेंगे।

4. विद्यार्थी व्यक्तियों, स्थानों, प्रकृति एवं पर्यावरण से परिचित हो सकेंगे।

5. गंभीर भाव, चिंतन, हास्य और मनोरंजन से जुड़कर लाभान्वित होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: रामचंद्र शुक्ल- भय , साहित्य में लोकमंगल की साधनावस्था

इकाई-2: विद्यानिवास मिश्र – बसंत आ गया कोई उत्कंठा नहीं, मेरे राम का मुकुट भींग रहा है

इकाई-3 : रामविलास शर्मा – निराला अपराजेय व्यक्तित्व, परंपरा का मूल्यांकन

इकाई-4 : हजारी प्रसाद द्विवेदी- अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन

इकाई-5 : मुक्तिबोध—नये की जन्मकुंडली-1 और 2

इकाई-6: नामवर सिंह –व्यापकता और गहराई, संस्कृति और सौंदर्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य -रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी की गद्य विधाएँ - डॉ हरिमोहन
3. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास- नंदकिशोर नवल
4. हिंदी के रेखाचित्र- माखनलाल शर्मा
5. परम्परा का मूल्यांकन-रामविलास शर्म
6. हजारीप्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली (बारहखंड)- सं. : मुकुंद द्विवेदी
7. बच्चन रचनावली (ग्यारहखंड)- सं. : अजित कुमार
8. श्रीकांत वर्मा रचनावली (आठखंड)- सं. : अरविन्द त्रिपाठी
9. राजकमल चौधरी रचनावली (आठखंड)- सं. : देवशंकर नवीन
10. अशोक के फूल- हजारीप्रसाद द्विवेदी
11. कुटज- हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. साहित्यिक निबन्ध- गणपतिचन्द्र गुप्त
13. चिंतामणि (भाग -1) मीमांसा- राजमल बोरा
14. विद्यानिवास मिश्र रचना संचयन-सं. गिरिश्वर मिश्र
15. कविता के नये प्रतिमान-नामवर सिंह

Semester –VII
Course Name:Hindi Aalochana
COURSE CODE:BAHINMJ-702

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-15			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes :

After the completion of course, the students have ability to :

1. विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक एवं समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।

2. विद्यार्थी हिंदी आलोचकों के आलोचना साहित्य से परिचित होंगे और उनमें राष्ट्रीय एकात्मक भाव का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई .1-हिंदी आलोचना का प्रारम्भ और द्विवेदीयुगीन आलोचना

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई .2-आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि

इकाई 3-नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि

इकाई4- हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि

इकाई – 5 -रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि

इकाई. 6 – नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि

संदर्भ ग्रंथ:

1.रामविलास शर्मा का महत्व – रविभूषण

2. हिंदी की जातीय संस्कृति और औपनिवेशिकता- राजकुमार

3. हिंदी की साहित्यिक संस्कृति और भारतीय आधुनिकता- राजकुमार

4. धर्मसत्ता और प्रतिरोध की संस्कृति- राजाराम भादू

5. श्रेष्ठ निबंध: रामचंद्र शुक्ल-सं. रामचन्द्र तिवारी

6. परंपरा का मूल्यांकन- रामविलास शर्मा

7. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं- रामविलास शर्मा

8. महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण- रामविलास शर्मा

9. प्रगतिवाद और समांतर साहित्य- रेखा अवस्थी

10. हिंदी साहित्य का इतिहास: पुनर्लेखन की आवश्यकता- पुखराज मारू

11. आधुनिक हिंदी काव्यालोचना के सौ वर्ष- पुष्पिता अवस्थी

12. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह

13. आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ- हेमंत कुकरेती

14. मुक्तिबोध की समीक्षाएं- अशोक चक्रधर

15. आधुनिकता और हिंदी आलोचना- इन्द्रनाथ मदान

16. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- गजानन माधव मुक्तिबोध

17. साहित्य विधाओं की प्रकृति- सं. देवीशंकर अवस्थी

18. साहित्य का उत्तर समाजशास्त्र- सुधीश पचौरी

19. हिंदी आलोचना-विश्वनाथ त्रिपाठी

20. हिंदी आलोचना का विकास -नंदकिशोर नवल

21. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार - रामचंद्र तिवारी

24. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेस

25. आलोचना और विचारधारा - नामवर सिंह

26. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पाण्डेय

27.दूसरी परम्परा की खोज- नामवर सिंह

Semester –VII
Course Name: Lok-Sahitya
COURSE CODE:BAHINMJ-703

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-16			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to:

1. लोक साहित्य की अवधारणा स्वरूप और संकलन के उद्देश्य का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंगे।

3. विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता, संस्कृति, रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, विशेषता,महत्व
इकाई-2. लोक साहित्य बनाम शिष्ट साहित्य

इकाई-3.लोक साहित्य की विविध विधाएँ- लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य

इकाई-4 लोकगीत-संस्कार गीत (सोहर, विवाह गीत, देवी गीत), ऋतु गीत (फाग, मलार, बारहमासा)

लोककथा-लोकगाथाओं (आल्हा, लोरकी, बिहुला, गोपीचंद) का सामान्य परिचय

इकाई-5. लोक साहित्य में लोकोक्तियों, मुहावरों और कहावतों का महत्व

इकाई- 6 भिखारी ठाकुर : विदेसिया

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास भाग-16 ,हिंदी का लोक साहित्य,सम्पादक - राहुल सांकृत्यायन
2. हिंदी लोक साहित्य : सिद्धांत और विकास- डॉ. अनसूया अग्रवाल
3. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. शिवराम शर्मा
4. लोक- सं. पीयूष दईया
5. लोक संस्कृति की रूपरेखा - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
6. परम्परा और परिवर्तन - श्यामाचरण दुबे
7. लोकजीवन और साहित्य - डॉ. रामविलास शर्मा
8. लोकसंस्कृति और इतिहास - बद्रीनारायण
9. ग्राम गी- रामनरेश त्रिपाठी
10. लोक साहित्य की भूमिका- डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
11. लोक संस्कृति और इतिहास- बद्रीनारायण
12. भोजपुरी लोकगीतों में स्वाधीनता आन्दोलन- संतोष कुमार चतुर्वेदी
13. संस्कृति, भाषा और राष्ट्र- रामधारी सिंह 'दिनकर'

Semester -VII
Hindi Ka Kathetar Sahiya
BAHINMJ704

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-17			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to:

1. यह पाठ्यक्रम हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं के विस्तृत इतिहस की जानकारी देता है।

2. यह जानकारी विद्यार्थी के लिये जरुरी है।

3. विद्यार्थी गद्य विधाओं की विविधता के माध्यम से हिंदी साहित्य की समृद्धशाली परंपरा का परिचय प्राप्त कर सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई- 1- महादेवी वर्मा- जंग बहादूर,अलोपी

इकाई- 2- शिवरानी देवी – प्रेमचंद घर में (बचपन से विवाह तक)

इकाई-3 - राहुल सांकृत्यायन – विद्या और वय, तरुणियाँ कैसे करें

इकाई -4 -फणीश्वर नाथ रेणु- विदापत नाच,सरहद के उस पार

इकाई-5- मैत्रेयी पुष्पा -कस्तुरी कुंडल बसै (रे मन जाह , जहाँ तोहि भावे)

इकाई-6- काशीनाथ सिंह :दंतकथाओं में त्रिलोचन, होल्कर हाउस में द्विवेदी जी

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ – बैजनाथ सिंहल
2. हिन्दी के रेखा चित्र – माखनलाल शर्मा
3. हिन्दी गद्य: विन्यास और विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. स्मृति की रेखाएं - महादेवी वर्मा
5. सम्बोधन (काशीनाथ सिंह विशेषांक)- सं- कमर मेवाडी
6. बनास जन (काशीनाथ सिंह विशेषांक)- सं-पल्लव
7. कथेतर – सं० माधव हाड़ा
8. गद्य की पहचान – अरूण प्रकाश
9. ऋणजल - धनजल फणीश्वरनाथ रेणु
10. औरत : अस्तित्व और अस्मिता – अरविंद जैन
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : आलोचना के नए मानदंड – भवदेव पांडे
12. महादेवी – दुधनाथ सिंह
13. मैत्रेयी पुष्पा – सं. विजय बहादुर सिंह

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

Semester-VII
Course Name:Sambhashan Kala

COURSE CODE:BAHINMN701

Course Type: **MINOR**	Course Details: **MNC-6**			L-T-P: **4 - 1 - 0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी में अच्छे वक्ता के गुणों का विकास हो सकेगा।
2. सम्भाषण की कला तथा उसके महत्त्व से परिचित हो पाएंगे।
3. सम्भाषण कला को पढ़कर विद्यार्थी सम्भाषण की दक्षता हासिल कर पाएंगे।

Content/ Syllabus:

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-1: सम्भाषण कला, अर्थ, स्वरूप और सिद्धांत
इकाई- 2. अच्छे वक्ता के गुण
इकाई- 3.भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु, साहित्य का उद्देश्य –प्रेमचंद
इकाई-4. प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला
(घ) नामवर सिंह
(ङ) चित्रा मुदगल

इकाई-5. (क). स्वामी विवेकानंद - अमेरिका की बहनों और भाइयों
(ख) जवाहरलाल नेहरू - नियति से मुलाकात
इकाई 6. (क) अब्राहम लिंकन- जनता की, जनता के द्वारा, जनता के लिए
(ख) अल्बर्ट आइंस्टीन – मैं लोकतंत्र के आदर्शों का पैरोकार हूं

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषण कला - महेश शर्मा
2. भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य
3. आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव
4. अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी
5. संभाषण-- महादेवी वर्मा
6. सम्मुख - नामवर सिंह
7. प्रेमचंद और भारतीय समाज- नामवर सिंह
8. आलोचना और संवाद- नामवर सिंह
9. किताबनामा- नामवर सिंह
10. यथाप्रसंग- नामवर सिंह
11. आलोचक के मुख से - नामवर सिंह
12. आमने – सामने- नामवर सिंह

Semester-VIII
Course Name: Sahitya Ka Samajashatriya Adhyayan

Paper Code: BAHINMJ801
(साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन)

<table>
<tr><td>Course Type:

MAJOR</td><td colspan="2">Course Details:

MJC-18</td><td colspan="2">L-T-P: 4 - 1 - 0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 5</td><td rowspan="3">Full Marks:
100</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>30</td><td>……</td><td>70</td></tr>
</table>

Learning Outcomes-

इस पत्र में छात्र साहित्य के समाज शास्त्र सम्बंधी अवधारणा, साहित्यिक रूपों का समाजशास्त्र, उपन्यास एवं कविता का समाजशास्त्रीय अध्ययन, लोकप्रिय साहित्य के समाजशास्त्र का स्वरूप आदि का अध्ययन करेंगे। इससे उनकी साहित्य और समाजशास्त्र के प्रति दृष्टि विकसित होगी।

इकाई-1: साहित्य के समाजशास्त्र की अवधारणा

इकाई-2: साहित्य के समाजशास्त्र की धाराएँ

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-3: 'राम की शक्तिपूजा' का समाजशास्त्रीय अध्ययन

अथवा

'सरोज-स्मृति' का समाजशास्त्रीय अध्ययन

इकाई-4: ' शेखर :एक जीवनी (1)' का समाजशास्त्रीय अध्ययन

अथवा

'बलचनमा'का समाजशास्त्रीय अध्ययन

इकाई-5 : हिंदी आलोचना का समाजशास्त्रीय अध्ययन (साधारणीकरण–आ. रामचंद्र शुक्ल,निराला-रामविलास शर्मा)

इकाई-6 : लोक प्रिय साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन (रामचरित मानस का अयोध्याकांड , दोहा 108 से 125. तक- तुलसीदास, पंचलैट-रेणु)

<u>अनुमोदित पुस्तकें :-</u>

1. नामवर सिंह – आलोचना और विचारधारा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादेमी, पंचकूला,1974
3. साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन –निर्मला जैन, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली
4. उपन्यास का समाजशास्त्र—गरिमा श्रीवास्तव
5. Sociology of literature –Escarpit Robert, London 1965
6. Sociology of literature—Swingwood, Alan, London, 1972
7. Sociology of literature—Hall, John, London, 1979
8. Sociology of literature and Drama—Burn, Tom and Elizabeth (Ed.) London, 1973
9. साहित्य का समाजशास्त्र और सौंदर्यशास्त्र व्यवहारिक परिदृश्य – रवि रंजन
10. साहित्य का समाजशास्त्र – बच्चन सिंह

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

Semester-VIII
Course Name: Sahitya Aur Vichardhara

Paper Code– BAHINMJ802

Course Type: **MAJOR**	Course Details: **MJC-19**			L-T-P: **3 - 1 - 0**	
Credit: **4**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Learning outcomes-
इस पत्र में छात्र साहित्य और विचारधारा सम्बंधी अवधारणा, विचारधारा का साहित्य पर प्रभाव, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या आदि को समझेंगे। यह पत्र उन्हें साहित्य और विचार धारा संबंधी अवधारणा को समझने में मदद करेगी।

इकाई -1 : विचारधारा की अवधारणा, विचारधारा का सामाजिक आधार
इकाई -2: विचारधारा का साहित्य पर प्रभाव, विचारधारा की समस्या

इकाई -3: मार्क्स, ग्राम्सी की विचारधाराएँ

इकाई -4: लूसीए गोल्डमान, देरीदा की विचारधाराएँ

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई -5:गांधी, अम्बेडकर की विचारधाराएँ

इकाई -6:लोहिया, मुक्तिबोधकी विचारधाराएँ

अनुमोदितपुस्तकें:-

1. आलोचना और विचारधारा- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2012-
2. साहित्य और विचारधारा- कमला प्रसाद रामविलास शर्मा इलाहाबाद ,1984
3. शब्द और कर्म- मैंनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,1997
4.) कला और साहित्य-चिंतन - गोरख पांडेय (अनुवादक) , नई दिल्ली
5. Arts against Ideology - Fisher, Earnst, London 1969
6. The writer's creative individuality And Development of Literature - Khrapechenko, M, Mascow 1977
7. A theory of Literary Production - Macherey, Pirree , London-1978
8. Criticism And Ideology - Eagleton, Terry , London 1976
9. The Ideology of asthetics - Eagleton, Terry , London 1990
10. Ideology : An introduction - Eagleton, Terry , London1991
11. The concept of Ideology and other Essay - Lichthein, George , New york 1967
13. 'आलोचना' पत्रिका –नवांक, संख्या-18, अप्रैल-जून 1970, दिल्ली।
14. हिंद स्वराज- महात्मा गांधी
15. मेरे सपनों का भारत - महात्मा गांधी
16. महात्मा गांधी – जीवन और दर्शन – रोमा रोलां , अनु. प्रफुल्ल चंद्र ओझा 'मुक्त'
17. महात्मा गांधी – सं. अच्युतानंद मिश्र
18. रुपये की समस्या – डॉ. भीमराव अम्बेडकर
19. जाति का विनाश : उद्भव और समाधान – डॉ. भीमराव अम्बेडकर
20. मार्क्सवाद और समाजवाद – राममनोहर लोहिया
21. समाजवादी चिंतन – राममनोहर लोहिया
22. अर्थशास्त्र : मार्क्स से आगे – राममनोहर लोहिया

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

Semester-VIII
Course Name:Sarjanatmak Lekhan Ke Vividh Kshetra

COURSE CODE- BAHINMJ803

Course Type: **MAJOR** **(Theoretical)**	Course Details: **MJC-20**			L-T-P: **3 - 1– 0**	
Credit: **4**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में प्रकृति और परिवेश को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी।
2. विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी।
3. शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. सर्जनात्मक लेखन की अवधारणा , स्वरूप और सिद्धांत

इकाई-2.गद्य, पद्य में भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

इकाई-3. सर्जनात्मक लेखन : भाषा संदर्भ , अनौपचारिक-औपचारिक, मौखिक-लिखित, क्षेत्रीय

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई-4. कविता और कथा साहित्य की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन

इकाई-5. कथेतर साहित्य एवं अन्य विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन

इकाई-. 6. सोशल मीडिया पर सर्जनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम , प्रभात रंजन
2. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान—केदारनाथ सिंह
3. कविता रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
4. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान –बैकुंठनाथ
5. सृजनात्मक लेखन के आयाम- हरीश अरोड़ा (श्री नटराज प्रकाशन)
6. सृजनात्मक लेखन- राजेंद्र मिश्र
7. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता- डॉ जयमोहन एम.एस (वाणी प्रकाशन)
8. आधुनिकता और सृजनात्मक - इंद्रनाथ मदान
9. साहित्य विधाओं की प्रकृति - सां. देवीशंकर अवस्थी
10. साहित्य का उत्तर समाजशास्त्र - सुधीश पचौरी
11. सृजन का रसायन - शिवमूर्ति

Semester-VIII
Course Name:Samachar Sankalan Aur Lekhan

COURSE CODE- BAHINMJ804

Course Type: **MAJOR (Theoretical)**	Course Details: **MJC-2**1			L-T-P: **3-1-0**	
Credit: **4**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. समाचार लेखन में अभीरुचि विकसित होगी।

2. छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

3 समाचार के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

इकाई-1: समाचार लेखन : स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई-2 : समाचार लेखन के प्रकार

इकाई-3 : भारतीय प्रेस कानून

इकाई-4 : समाचार लेखन :प्रिंट पत्रकारिता से ई-पत्रकारिता तक

इकाई -5 समाचार संकलन और लेखन : तथ्यपरकता और नैतिकता

इकाई -6 : समाचार संकलन और लेखन: संभावनाएँ और चुनौतियाँ

संदर्भ :

1. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श - सुधीश पचौरी
2. वेब पत्रकारिता : शालिनी जोशी - नया मीडिया नए रुझान, शिवप्रसाद जोशी
3. मीडिया समग्र - जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. समाचार संपादन - कमल दीक्षित, महेश दर्पण
5. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – अजय कुमार सिंह , लोकभारती प्रकाशन
6. संचार का मूल सिद्धांत – ओमप्रकाश सिंह , लोकभारती प्रकाशन
7. हिंदी पत्रकारिता : संवाद और विमर्श – कैलाश नाथ पाण्डेय , लोकभारती प्रकाशन
8. पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियां – पृथ्वीनाथ पाण्डेय , लोकभारती प्रकाशन
9. नये जन – संचार माध्यम और हिंदी – सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
10. हिंदी वेब साहित्य – सुनील कुमार लवटे

Semester-VIII
Course Name: Cinema Aur Sahitya

COURSE CODE- BAHINMN801

Course Type:MINOR	Course Details: **MNC-7**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम में साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध को समझा जा सकेगा।
2. हिंदी सिनेमा के इतिहास से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी साहित्य के योगदान को रेखांकित किया जाएगा।
4. विद्यार्थी सिनेमा की कला और हिंदी साहित्य में निहित कलात्मक तत्वों की पहचान कर सकेंगे
5. पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण की कला के बारे में जान सकेंगे।
6. विद्यार्थी अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग निर्माता,लेखक और अभिनेता बनने में कर सकते हैं।

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

Content/ Syllabus:

इकाई-1. हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास
इकाई-2. . हिंदी सिनेमा, समाज और साहित्य का अंतर्संबंध

इकाई-3. फिल्म समीक्षा : मदर इंडिया, तीसरी कसम, शोले और तारे जमीं पर

इकाई-4. प्रमुख साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्में –सदगति, रजनीगंधा, पिंजर, मोहल्ला अस्सी

इकाई-5. हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय गीत : वस्तु और शिल्प

इकाई-6. साहित्य और सिनेमा की भाषा : बदलते संदर्भ

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास - मनमोहन चड्डा
2. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष - प्रकाशन विभाग
3. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष - प्रहलाद अग्रवाल
4. सिनेमा आज और कल - विनोद भारद्वाज
5. बहुवचन (हिंदी सिनेमा विशेषांक)- सं- अशोक मिश्र
6. लेखक का सिनेमा- कुँवर नारायण : सं. गीत चतुर्वेदी
7. सिनेमा और संसार- कुमार शहानी
8. कैमरा: मेरी तीसरी आँख- राधू करमाकर; अनु. विनोद दास
9. सिनेमा का सफर (पहला / दूसरा पड़ाव) – अजय ब्रह्मत्मजा, मयंक शेखर)
10. आइडिया से परदे तक – रामकुमर सिंह, सत्यान्शु सिंह
11. सिनेमा के बारे में – जावेद अख्तर , नसरीन मुन्नी कबीर

Students who want to undertake 4-year UG Honours program will be awarded UG Degree (Honours) in the relevant Discipline / Subject provided they secure 173 credits

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

Semester –VII
Course Name: Hindi Nibandh
COURSE CODE:BAHINMJ-701

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-14			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

After the completion of course, the students have ability to:

1. हिंदी गद्य के कथा साहित्य से भिन्न अन्य गद्य विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. विभिन्न हिंदी की कथेतर विधाओं के स्वरूप का ज्ञान होगा।

3. युगीन संदर्भ के आलोक में कथेतर गद्य विधाओं को जान सकेंगे।

4. इनके अध्ययन से विद्यार्थी व्यक्ति, स्थान, प्रकृति एवं पर्यावरण से परिचित हो सकेंगे।

5. गंभीर भाव, चिंतन, हास्य और मनोरंजन से जुड़कर लाभान्वित होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: रामचंद्र शुक्ल- भय , साहित्य में लोकमंगल की साधनावस्था

इकाई-2: विद्यानिवास मिश्र – बसंत आ गया कोई उत्कंठा नहीं, मेरे राम का मुकुट भींग रहा है

इकाई-3 : रामविलास शर्मा – निराला अपराजेय व्यक्तित्व, परंपरा का मूल्यांकन

इकाई-4 :हजारी प्रसाद द्विवेदी- अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन

इकाई-5 : मुक्तिबोध—नये की जन्मकुंडली-1 और 2

इकाई-6: नामवर सिंह –व्यापकता और गहराई, संस्कृति और सौंदर्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य -रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी की गद्य विधाएँ - डॉ हरिमोहन
3. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास- नंदकिशोर नवल
4. हिंदी के रेखाचित्र – माखनलाल शर्मा
5. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्म
6. हजारीप्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली (बारहखंड)- सं. : मुकुंद द्विवेदी
7. बच्चन रचनावली (ग्यारहखंड)- सं. : अजित कुमार
8. श्रीकांत वर्मा रचनावली (आठखंड)- सं. : अरविन्द त्रिपाठी
9. राजकमल चौधरीर चनावली (आठखंड)- सं. : देवशंकर नवीन
10. अशोक के फूल- हजारीप्रसाद द्विवेदी
11. कुटज- हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. साहित्यिक निबन्ध- गणपतिचन्द्र गुप्त
13. चिंतामणि (भाग -1) मीमांसा- राजमल बोरा
14. विद्यानिवास मिश्र रचना संचयन – सं. गिरिश्वर मिश्र

Semester –VII
Course Name:Hindi Aalochana
COURSE CODE:BAHINMJ-702

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-15			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes :

After the completion of course, the students have ability to :

1. विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक एवं समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।

2. विद्यार्थी हिंदी आलोचकों के आलोचना साहित्य से परिचित होंगे और उनमें राष्ट्रीय एकात्मक भाव का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई .1-हिंदी आलोचना का प्रारम्भ और द्विवेदीयुगीन आलोचना

इकाई .2-आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई 3- नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि

इकाई.4 हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि

इकाई .5   रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि

इकाई. 6 नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि

संदर्भ ग्रंथ:

1.रामविलास शर्मा का महत्व – रविभूषण

2. हिंदी की जातीय संस्कृति और औपनिवेशिकता – राजकुमार

3. हिंदी की साहित्यिक संस्कृति और भारतीय आधुनिकता – राजकुमार

4. धर्मसत्ता और प्रतिरोध की संस्कृति – राजाराम भादू

5. श्रेष्ठ निबंध: रामचंद्र शुक्ल – सं. रामचन्द्र तिवारी

6. परंपरा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा

7. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा

8. महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा

9. प्रगतिवाद और समांतर साहित्य – रेखा अवस्थी

10. हिंदी साहित्य का इतिहास: पुनर्लेखन की आवश्यकता – पुखराज मारू

11. आधुनिक हिंदी काव्यालोचना के सौ वर्ष – पुष्पिता अवस्थी

12. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह

13. आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ – हेमंत कुकरेती

14. मुक्तिबोध की समीक्षाएं – अशोक चक्रधर

15. आधुनिकता और हिंदी आलोचना – इन्द्रनाथ मदान

16. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – गजानन माधव मुक्तिबोध

17. साहित्य विधाओं की प्रकृति – सं. देवीशंकर अवस्थी

18. साहित्य का उत्तर समाजशास्त्र – सुधीश पचौरी

19. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी

20. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल

21. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार - रामचंद्र तिवारी

24. हिंदी आलोचना का विकास - मधुरेश

25. आलोचना और विचारधारा - नामवर सिंह

26. साहित्य और इतिहास दृष्टि -मैनेजर पाण्डेय

27. दूसरी परम्परा की खोज- नामवर सिंह

Kaju Kumari Shaw

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

Semester –VII
Course Name: Lok-Sahitya
COURSE CODE :BAHINMJ-703

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-16			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to:

1. लोक साहित्य की अवधारणा स्वरूप और संकलन के उद्देश्य का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंगे।

3. विद्यार्थियों को लोकसाहित्य की भाव गंभीरता, संस्कृति, रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. लोक साहित्य की अवधारणाएँ , स्वरूप, विशेषताएँ ,महत्व

इकाई-2. लोक साहित्य बनाम शिष्ट साहित्य

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई-3- लोक साहित्य की विविध विधाएँ-लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य

इकाई-4- लोकगीत- संस्कार गीत (सोहर,विवाह गीत,देवी गीत), ऋतु गीत (फाग ,मलार,बारहमासा,)

लोककथा- लोकगाथाओ (आल्हा, लोरकी, बिहुला, गोपीचंद) का सामान्य परिचय

इकाई-5- लोक साहित्य में लोकोक्तियों, मुहावरों और कहावतों का महत्व

इकाई- 6- भिखारी ठाकुर : विदेसिया

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी लोक साहित्य : सिद्धांत और विकास- डॉ. अनसूया अग्रवाल
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. शिवराम शर्मा
3. लोक- सं. पीयूष दईया
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5. परम्परा और परिवर्तन --श्यामाचरण दुबे
6. लोक जीवन और साहित्य – डॉ. रामविलास शर्मा
7. लोक संस्कृति और इतिहास – बद्रीनारायण
8. ग्राम गीत -- रामनरेश त्रिपाठी
9. लोक साहित्य की भूमिका-- डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
10. लोक संस्कृति और इतिहास-- बद्रीनारायण
11. भोजपुरी लोकगीतों में स्वाधीनता आन्दोलन-- संतोष कुमार चतुर्वेदी
12. संस्कृति, भाषा और राष्ट्र-- रामधारी सिंह ‘दिनकर’

KAZI NAZRUL UNIVERSITY HINDI DEPTT. ASANSOL-713 340

Kaju Kumari Shaw

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Date: 08/04/2025

Semester -VII
Hindi Ka Kathetar Sahiya
BAHINMJ704

Course Type: **MAJOR**	Course Details: MJC-17			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: 5	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to:

1. यह पेपर हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं के विस्तृत इतिहस की जानकारी देता है।

2. यह जानकारी के विद्यार्थी लिये जरुरी है।

3. गद्य विधाओं की विविधता के माध्यम से हिंदी साहित्य की समृद्धशाली परंपरा को यहाँ रखा गया है।

Content/ Syllabus:

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई- 1 . महादेवी वर्मा- जंग बहादूर, अलोपी

इकाई- 2 शिवरानी देवी – प्रेमचंद घर में (बचपन से विवाह तक)

इकाई-3 : राहुल सांकृत्यायन – विद्या और वय, तरुणियाँ कैसे करें

इकाई 4 फणीश्वर नाथ रेणु-विदापत नाच, सरहद के उस पार

इकाई-5. मैत्रेयी पुष्पा -कस्तुरी कुंडल बसै (रे मन जाह , जहाँ तोहि भावे)

इकाई-6. काशीनाथ सिंह :दंत कथाओं में त्रिलोचन , होल्कर हाउस में द्विवेदी जी

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ - बैजनाथ सिंहल

2. हिन्दी के रेखाचित्र - माखनलाल शर्मा

3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

4. स्मृति की रेखाएं - महादेवी वर्मा

5. सम्बोधन (काशीनाथ सिंह विशेषांक)-सं- कमर मेवाडी

6. बनास जन (काशीनाथ सिंह विशेषांक)- सं-पल्लव

7. कथेतर – सं० माधव हाड़ा

8. गद्य की पहचान – अरूण प्रकाश

9. ऋणजल – धनजल फणीश्वरनाथ रेणु

10. औरत : अस्तित्व और अस्मिता – अरविंद जैन
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : आलोचना के नए मानदंड – भवदेव पांडे
12. महादेवी – दूथनाथ सिंह

13. मैत्रेयी पुष्पा – सं. विजय बहादुर सिंह

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

Semester-VII
Course Name:Sambhashan Kala

COURSE CODE:BAHINMN701

Course Type: **MINOR**	Course Details: **MNC-6**			L-T-P: **4 - 1 – 0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

4. विद्यार्थी में अच्छे वक्ता के गुणों का विकास हो सकेगा।
5. विद्यार्थी सम्भाषण की कला तथा उसके महत्त्व से परिचित हो पाएंगे।
6. सम्भाषण कला को पढ़कर विद्यार्थी सम्भाषण की दक्षता हासिल कर पाएंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: सम्भाषण कला, अर्थ, स्वरूप और सिद्धांत
इकाई- 2. अच्छे वक्ता के गुण
इकाई- 3. भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु, साहित्य का उद्देश्य –प्रेमचंद
इकाई-4. प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला
(च) नामवर सिंह
(छ) चित्रा मुद्गल

इकाई-5. (क). स्वामी विवेकानंद - अमेरिका की बहनों और भाइयों
(ख) जवाहरलाल नेहरू - नियति से मुलाकात
इकाई 6. (क) अब्राहम लिंकन- जनता की, जनता के द्वारा, जनता के लिए
(ख) अल्बर्ट आइंस्टीन – मैं लोकतंत्र के आदर्शों का पैरोकार हूं

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषण कला - महेश शर्मा
2. भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य
3. आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव
4. अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी
5. संभाषण-- महादेवी वर्मा
6. सम्मुख - नामवर सिंह
7. प्रेमचंद और भारतीय समाज- नामवर सिंह
8. आलोचना और संवाद- नामवर सिंह
9. किताबनामा- नामवर सिंह
10. यथाप्रसंग- नामवर सिंह
11. आलोचक के मुख से..- नामवर सिंह
12. आमने – सामने- नामवर सिंह

Semester-VIII
Course Name: Sahitya Aur Vichardhara

Paper Code – BAHINMJ801

<table>
<tr><td>Course Type:

MAJOR</td><td colspan="2">Course Details:

MJC-18</td><td colspan="2">L-T-P: 4 - 1 – 0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 5</td><td rowspan="3">Full Marks:
100</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>30</td><td>……</td><td>70</td></tr>
</table>

Learning outcomes-

छात्र साहित्य और विचारधारा सम्बंधी अवधारणा, विचारधारा का साहित्य पर प्रभाव, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या आदि को समझेंगे। यह पाठ्यक्रम उन्हें साहित्य और विचारधारा संबंधी अवधारणा को समझने में मदद करेगी।

इकाई -1 : विचारधारा की अवधारणा, विचारधारा का सामाजिक आधार
इकाई -2: विचारधारा का साहित्य पर प्रभाव, विचारधारा की समस्या

इकाई -3: मार्क्स, ग्राम्सी की विचारधाराएँ

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025

इकाई -4: लूसीए गोल्डमान, देरीदा की विचारधाराएँ

इकाई -5: गांधी, अम्बेडकर की विचारधाराएँ

इकाई -6: लोहिया, मुक्तिबोध की विचारधाराएँ

अनुमोदितपुस्तकें:-

1. आलोचना और विचारधारा - नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2012
2. साहित्य और विचारधारा - कमला प्रसाद, रामविलास शर्मा, इलाहाबाद,1984
3. शब्द और कर्म - मैंनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,1997
4. कला और साहित्य-चिंतन- गोरख पांडेय (अनुवादक), नई दिल्ली
5. Arts against Ideology - Fisher, Earnst, London 1969
6. The writer's creative individuality And Development of Literature - Khrapechenko, M, Mascow 1977
7. A theory of Literary Production - Macherey, Pirree, London-1978
8. Criticism And Ideology- Eagleton, Terry, London 1976
9. The Ideology of asthetics - Eagleton, Terry, London 1990
10. Ideology : An introduction - Eagleton, Terry, London1991
11. The concept of Ideology and other Essay- Lichthein, George, New york 1967
12. 'आलोचना' पत्रिका –नवांक, संख्या-18, अप्रौल-जून 1970, दिल्ली।
13. हिंद स्वराज – महात्मा गांधी
14. मेरे सपनों का भारत - महात्मा गांधी
15. महात्मा गांधी – जीवन और दर्शन – रोमा रोलां , अनु. प्रफुल्ल चंद्र ओझा 'मुक्त'
16. महात्मा गांधी – सं. अच्युतानंद मिश्र
17. रुपये की समस्या – डॉ. भीमराव अम्बेडकर
18. जाति का विनाश : उद्भव और समाधान – डॉ. भीमराव अम्बेडकर
19. मर्क्सवाद और समाजवाद – राममनोहर लोहिया

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

20. समाजवादी चिंतन – राममनोहर लोहिया

21. अर्थशास्त्र : मार्क्स से आगे – राममनोहर लोहिया

Semester-VIII
Course Name: Research MethodologyAnd Ethics

COURSE CODE- BAHINRP801

Course Type:RP	Course Details: **RPC-1**			L-T-P: **4-0-0**	
Credit: **4**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

इस पेपर से शोधार्थी शोध संबंधी नैतिकता, वैचारिक चोरी (Plagiarism), शोध परक ईमानदारी, प्रकाशन सम्बंधी नैतिकता और नियमों से परिचित होंगे जो उनकी शोध रचना को मौलिक ढ़ग से लिखने में मददगार साबित होगा|

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

शोध प्रविधि और नैतिकता

इकाई1. शोध: अर्थ , स्वरूप और प्रकार
इकाई 2. शोध पद्धतियाँ
इकाई 3. विषय चयन, तथ्य - विश्लेषण , उध्दरण
इकाई 4. पाद, टिप्पणियाँ, संदर्भ- ग्रंथ- सूची
इकाई 5. शोध और नैतिकता , शोध और वैचारिक चोरी
इकाई 6. शोध और कम्प्यूटर

संदर्भग्रंथ :

- Bird, A. (2006). Philosophy of Science. Routledge.
- Best Practice Guidelines on Publishing Ethics, 2014 John Wiley & Sons, Ltd.
- Committee on Publication Ethics (COPE): Guidelines on good publication practice (https://publicationethicsorg/resources/guidelines).
- MacIntyre Alasdair (1967). A Short History of Ethics. London
- Sharma, R.N. Socio-Political Philosophy and Philosophy of Religion. Surjeet Publications.
- Research and Publication Ethics, Santosh Kumar Yadav, Ane Books Pvt.Ltd. 4821, Parwana Bhawan, 24, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002
- अनुसंधान का स्वरूप - सावित्री सिन्हा
- शोध विज्ञान कोश - दुर्गादास काशीनाथ सिंह
- अनुसंधान की प्रक्रिया - सावित्री सिन्हा और विजयेंद्र स्नातक (संपादक)
- Research Methodology- C.R.Kothaari
- The art of Scientific Research - W.B.Barbridge
- How to find them- W.A. Boggleg facts
- Introduction to Research- T. Hallaway
- New Directions in Literary History 1974- Ralph Conhen (Edited)

- Discrimination 1970- Rene Walleck , Delhi
- हिंदी अनुसंधान - विजयपाल सिंह
- अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत - एस. एन. गणेशन

Semester-VIII

RESEARCH PROJECT / DISSERTATION
Course Code: BAHINRP-802

Course Type:RP	Course Details: **RPC-2**			L-T-P: **0-0-16**	
Credit: **8**	Full Marks: **200**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		120		**80**	

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

निर्देश :--

- कम से कम 100 पृष्ठ ,Standard font – 14, line spacing – 1.5 (Unicode font)

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT.

Date: 08/04/2025

- UGC मानदंण्डों के आधार पर शोध-प्रबंध तैयार किया जाये।

Semester-VIII

Course Name: Cinema Aur Sahitya

COURSE CODE- BAHINMN801

Course Type:MINOR	Course Details: **MNC-7**			L-T-P: **4-1-0**	
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम में साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध को समझा जा सकेगा।
2. हिंदी सिनेमा के इतिहास से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी साहित्य के योगदान को रेखांकित किया जाएगा।

Kaju Kumari Shaw

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL-713 340

Date: 08/04/2025

4. विद्यार्थी सिनेमा की कला और हिंदी साहित्य में निहित कलात्मक तत्वों की पहचान कर सकेंगे

5. पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण की कला के बारे में जान सकेंगे।

6. विद्यार्थी अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग निर्माता, लेखक और अभिनेता बनने में कर सकते हैं।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास
इकाई-2. हिंदी सिनेमा, समाज और साहित्य का अंतर्संबंध
इकाई-3. फिल्म समीक्षा : मदर इंडिया, तीसरी कसम, शोले और तारे जमीं पर
इकाई-4. प्रमुख साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्में –सदगति, रजनीगंधा, पिंजर, मोहल्ला अस्सी
इकाई-5. हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय गीत : वस्तु और शिल्प
इकाई-6. साहित्य और सिनेमा की भाषा : बदलते संदर्भ

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास - मनमोहन चड्डा
2. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष - प्रकाशन विभाग
3. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष - प्रहलाद अग्रवाल
4. सिनेमा आज और कल - विनोद भारद्वाज
5. बहुवचन (हिंदी सिनेमा विशेषांक)- सं- अशोक मिश्र
6. लेखक का सिनेमा- कुँवर नारायण; सं. गीत चतुर्वेदी
7. सिनेमा और संसार- कुमार शहानी
8. कैमरा: मेरी तीसरी आँख- राधू करमाकर; अनु. विनोद दास
9. सिनेमा का सफर (पहला / दूसरा पड़ाव) – अजय ब्रह्मत्मजा, मयंक शेखर)
10. आइडिया से परदे तक – रामकुमार सिंह, सत्यान्शु सिंह
11. सिनेमा के बारे में – जावेद अख्तर , नसरीन मुन्नी कबीर

Kaju Kumari Shaw
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

HINDI DEPTT. KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL

Date: 08/04/2025